डिफेंस और एयरोस्पेस में चार हजार करोड़ रुपये की छोटी इकाइयों का होगा जन्म

लखनऊ। डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टर में यूपी में बड़े समूह भारी भरकम निवेश करेंगे। डिफेंस कॉरिडोर में करीब 25 हजार करोड़ के बड़े उद्योग लगेंगे। उनके साथ डिफेंस कॉरिडोर में कम से कम चार हजार करोड़ की छोटी इकाइयों का भी जन्म होगा।

प्रदेश की रक्षा व एयरोस्पेस इकाई एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति के तहत अब तक निवेश के 114 एमओयू हुए हैं। इससे 42 हजार से ज्यादा को रोजगार मिलेगा। यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी को अनुसंधान के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय ने कानपुर और लखनऊ में तीन रक्षा परीक्षण सुविधाओं की स्थापना के लिए 117 करोड़ की सब्सिडी दी है। ब्यूरो

509 रक्षा उत्पाद अनिवार्य रूप से भारत में ही बनेंगे

मेक इन इंडिया को मजबूत बनाने के लिए 509 रक्षा उत्पादों को निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया गया है। इसके अलावा 4666 लाइन-रिप्लेसेबल इकाइयों का निर्माण होगा। लाइन रिप्लेसेबल इकाई का मतलब ऐसा उत्पाद या उपकरण है, जिसे किसी हथियार या सपोर्ट सिस्टम में कमी या खराबी को ठीक करने के लिए हटा दिया जाता है। इन सभी का निर्माण अनिवार्य रूप से देश में ही किया जाएगा। इस पहल से देश में 1.75 लाख करोड़ का घरेलू रक्षा बाजार विकसित होगा।